अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय – मालती जोशी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व (1-11)

1.1	जीवन रेखा में
1.1.1	जन्म एवं जन्मस्थान
1.1.2	पिता
1.1.3	माता
1.1.4	बचपन
1.1.5	भाई-बहन
1.1.6	शिक्षा
1.1.7	विवाह
1.1.8	संतान
1.1.9	लेखन संस्कार
1.1.10	नौकरी
1.2	व्यक्तित्व के विभिन्न पहलू
1.2.1	कर्तव्यनिष्ठ नारी एवं लेखिका
1.2.2	अभिरुचिप्रिय नारी एवं लेखिका
1.2.3	शिक्षा प्राप्ति की तीव्र लालसा
1.2.4	जिम्मेदार नारी एवं लेखिका
1.2.5	सुधारवादी नारी एवं लेखिका
1.2.6	संवेदनशील नारी एवं लेखिका
1.2.7	नारी समस्या की पक्षधर
1.2.8	सच्चे जीवन साथी
1.3	कृतित्व की पहचान
1.3.1	साहित्य का सृजनारंभ
1.3.2	मालती जोशी का रचना संसार
1.3.2.1	कहानी साहित्य
1.3.2.2	उपन्यास साहित्य
1.3.2.3	बाल साहित्य
1.3.2.4	अन्य साहित्य

1.3.2.5 अनुवाद
1.3.2.6 रेडियो
1.3.2.7 टेलिविजन
1.3.2.8 सम्मान एवं पुरस्कार
* निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय – मालती जोशी की कहानियों का कथ्य (12-52)

2.1 कथावस्तु : अर्थ
2.1.1 मानक हिंदी कोश
2.1.2 प्रामाणिक शब्द कोश
2.1.3 भाषा शब्द कोश
2.1.4 हिंदी शब्द सागर
2.2 कथावस्तु : परिभाषा
2.3 कथावस्तु : महत्व
2.4 आखिरी शर्त
2.4.1 रूढ़ियों के द्वारा मजबूर नारी
2.4.2 राजनीति के जाल से आतंकित परिवार
2.4.3 घरवालों से आतंकित विधवा
2.4.4 तनावों का बोझ उसे उभरतें सुख
2.4.5 बुढ़ापें तक एक-दूसरे का साथ देनेवालें पति-पत्नी
2.4.6 अर्थाभाव के कारण अन्याय अपमान का शिकार
2.4.7 बाल लीलाओं से भरा परिवार
2.5 मोरी रंग दी चुनरियां
2.5.1 वैधव्य नियती का खेल
2.5.2 घरवालों से पीड़ित विधवा
2.5.3 कुरुपता के कारण अविवाहित नारी
2.5.4 बेटी सिर्फ पैसे कमाने की मशीन
2.6 बोल री कठपुतली
2.6.1 विवाह पूर्व प्रेम को स्वीकार कर चुपचाप जीने की विवशता
2.6.2 अपने कार्य से अपराध बोध की भावना
2.6.3 अपनों के बीच अकेलेपन का शिकार
2.6.4 प्रौढ़ावस्था में विवाह का निर्णय

2.6.5	ससूरालवालों के द्वारा मजबूर नारी
2.6.6	घुटन : पति और घरवालों के द्वारा
2.6.7	प्रेम में असफल युवती
2.6.8	मां और बेटे में तनाव
2.6.9	गोद लेने की रस्म से परेशान परिवार
2.7	*अंतिम संक्षेप*
2.7.1	पति-पत्नी के झगड़े में आरोपित मां
2.7.2	बहू और बेटे के कारण तनावग्रस्त मां
2.7.3	बेटे के बर्ताव से दुःखी मां
2.7.4	अपनी इच्छाशक्ति से लाचार मां
2.7.5	सैद्धांतिक प्रतिबद्धता और दांपत्य जीवन
2.7.6	बेटे और बहू के व्यवहार से आतंकित पिता
2.7.7	आर्थिक अभाव से संत्रस्त मां
2.7.8	ससुरालवालों से आतंकित बहू
2.8	*एक सार्थक दिन*
2.8.1	बेरोजगारी से परेशान
2.8.2	शादी के बाद बदला हुआ बेटी का रूप
2.8.3	डॉक्टर से पीड़ित परिवार
2.8.4	सफाई का अत्याधिक मोह
2.8.5	पति-पत्नी के बीच तीसरे का प्रवेश
2.8.6	ससुराल और मायकेवालों के द्वारा उपेक्षित नारी
2.8.7	अर्थाभाव के कारण बेटी को अपात्र के गले मढ़ने की लाचारी
2.8.8	अपने भाई-बहनों के लिए कुर्बानी देनेवाली बहन
2.8.9	प्रेम विवाह के कारण रिश्तों में दरारें
2.8.10	अनाथ बच्चे की जिम्मेदारी
2.8.11	पति और ससुरालवालों से आतंकित बहू
2.8.12	सपनों का टूटना फिर नए जीवन की शुरुआत
2.8.13	विवाह पूर्व प्रेम का लौट आना और पति की प्रतिक्रिया
2.8.14	अलमारी से जुड़ी यादें
2.8.15	संतान के बदलते आचरण से संत्रस्त मां-बाप
2.8.16	दहेज देने की काबिलियत न होने के कारण अविवाहित नारी
2.8.17	अर्थ की कमी से संघर्षरत परिवार
✷	*निष्कर्ष*

तृतीय अध्याय – परिवार का सैद्धांतिक विवेचन और विवेच्य कहानियों में परिवार का स्वरूप (53-104)

3.1	परिवार : अर्थ
3.1.1	मानक हिंदी कोश
3.1.2	प्रमाणिक हिंदी कोश
3.1.4	संक्षिप्त शब्द सागर
3.2	परिवार : परिभाषा
3.3	परिवार : प्रयोजन
3.3.1	धर्म
3.3.2	अर्थ
3.3.3	काम
3.3.4	पुत्र प्राप्ति
3.4	परिवार : स्वरूप
3.4.1	सदस्यों की संख्या
3.4.1.1	*एकाकी परिवार*
3.4.1.2	*विवाह संबंधी परिवार*
3.4.1.3	*संयुक्त परिवार*
3.4.1.4	*सम्मिलित परिवार*
3.4.2	विवाह स्वरूप
3.4.2.1	*एक विवाह परिवार*
3.4.2.2	*बहुविवाह परिवार*
3.4.3	पारिवारिक सत्ता
3.4.3.1	*मातृवंशी परिवार*
3.4.3.2	*पितृवंशी परिवार*
3.4.4	भौगोलिक स्थिति
3.4.4.1	*ग्रामीण परिवार*
3.4.4.2	*शहरी परिवार*
3.4.4.3	*आदिम परिवार*
3.4.5	धार्मिक आधार
3.4.5.1	*हिंदू परिवार*
3.4.5.2	*मुस्लिम परिवार*

3.4.5.3	*ईसाई परिवार*
3.4.6	आर्थिक आधार
3.4.6.1	*धनिक परिवार*
3.4.6.2	*मध्यमवर्गीय परिवार*
3.4.6.3	*निम्नवर्गीय परिवार*
3.5	*परिवार : विशेषताएं*
3.6	*परिवार : महत्त्व एवं कार्य*
3.6.1	कामवासनापूर्ति
3.6.2	संतानोत्पत्ति
3.6.3	बच्चों का पालन-पोषण
3.6.4	भोजन, वस्त्र, निवास
3.6.5	मनोवैज्ञानिक कार्य
3.6.6	आर्थिक कार्य
3.6.7	शिक्षा कार्य
3.6.8	सामाजिक कार्य
3.6.9	राजनैतिक कार्य
3.6.10	रक्षात्मक कार्य
3.6.11	धार्मिक कार्य
3.6.12	सांस्कृतिक कार्य
3.7	*संयुक्त परिवार*
3.7.1	सफल संयुक्त परिवार
3.7.2	असफल संयुक्त परिवार
3.7.2.1	*बहन की जिम्मेदारी*
3.7.2.2	*परेशान माता-पिता*
3.7.2.3	*बहू की बीमारी*
3.7.2.4	*बहू का हीन बर्ताव*
3.7.2.5	*अधिकार का अभाव*
3.7.2.6	*अपमानास्पद जीवन*
3.7.2.7	*अर्थाभाव*
3.7.2.8	*ससुरालवालों का आतंक*
3.8	*दांपत्य जीवन*
3.8.1	सफल दांपत्य जीवन
3.8.1.1	*सहचर्य*

3.8.1.2	*सेवाभाव*
3.8.2	असफल दांपत्य जीवन
3.8.2.1	*समझदारी का अभाव*
3.8.2.2	*संपन्नता की चाह से उत्पन्न दरार*
3.8.2.3	*विवाह पूर्व प्रेम*
3.8.2.4	*बीमारी*
3.8.2.5	*वैचारिक भिन्नता*
3.8.2.6	*व्यक्ति स्वातंत्र्य की उपेक्षा*
3.8.2.7	*तीसरे का प्रवेश*
3.8.2.8	*पति की दूरी*
3.8.2.9	*इच्छाओं की पूर्ति का अभाव*
3.9	दांपत्येत्तर अन्य पारिवारिक संबंध
3.9.1	पिता-पुत्र
3.9.1.1	*असहाय पिता*
3.9.2	पिता-पुत्री
3.9.2.1	*चिंताग्रस्त पिता*
3.9.2.2	*मजबूर पिता*
3.9.3	माता-पुत्र
3.9.3.1	*अटूट स्नेह*
3.9.3.2	*लाचार मां*
3.9.4	सौतेली मां-बेटा
3.9.5	माता-पुत्री
3.9.5.1	*स्नेहहीन संबंध*
3.9.5.2	*परेशान मां*
3.9.6	बहन-बहन
3.9.7	भाई-बहन
3.9.7.1	*स्वार्थी भाई*
3.9.7.2	*लाचार भाई*
3.9.8	सास-बहू
3.9.8.1	*स्नेहहीन संबंध*
3.9.9	ननंद-भाभी
3.9.9.1	*स्नेहहीन संबंध*
3.9.10	देवर-भाभी

3.9.10.1 *स्नेहपूर्ण संबंध*
3.9.11 मौसी-भतीजी
3.9.11.1 *स्वार्थी मौसी*
✳ निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय – मालती जोशी की कहानियों में चित्रित पारिवारिक समस्याएं (105-147)

4.1 समस्या : अर्थ
4.1.1 मानक हिंदी कोश
4.1.2 हिंदी शब्द सागर
4.1.3 प्रामाणिक हिंदी कोश
4.1.4 भाषा शब्द कोश
4.1.5 आधुनिक हिंदी शब्द कोश
4.2 समस्या : परिभाषा
4.3 पारिवारिक समस्या
4.4 पारिवारिक विघटन
4.4.1 बहू का बर्ताव
4.5 असफल विवाह
4.5.1 अर्थाभाव
4.5.2 सफाई की अत्यधिकता
4.5.3 तीसरे का प्रवेश
4.5.4 भ्रमभंग
4.5.5 दूरी
4.5.6 वैचारिक भिन्नता
4.6 अनचाहा विवाह
4.6.1 तनाव, ईर्ष्या, प्रतिशोध
4.6.2 अपनेपन का अभाव
4.7 बुढ़ापा
4.7.1 मानसिक विवशता
4.7.2 अकेलापन और अपनेपन का अभाव
4.7.3 अधिकार बोध
4.7.4 प्रेम-स्नेह

4.7.5	बोझ
4.7.6	मानसिक तनाव
4.8	*बदलतें रिश्तें*
4.8.1	जिम्मेदारी
4.8.2	भाभी का आतंक
4.8.3	हादसा या संकट
4.8.4	पीढ़ियों का अंतराल
4.8.5	प्रतिष्ठा के खोखले मानदंड
4.9	*अर्थाभाव*
4.9.1	शोषण
4.9.2	अर्थ की जकड़न
4.9.3	सम्मान प्रतिष्ठा
4.9.4	विवाह
4.9.5	विवशता लाचारी
4.9.6	परवरिश
4.10	*तलाक*
4.10.1	कुरूपता
4.10.2	तलाकशुदा बहन की जिम्मेदारी
4.11	*अकेलापन एवं घुटन*
4.11.1	वैचारिक भिन्नता
4.11.2	गलतफहमी
4.11.3	रिश्तों का टुटना
4.11.4	परिवर्तित रिश्तें
4.11.5	बेटियों की दूरी
4.11.6	अपनापन
4.11.7	मजबूरी
4.12	*असफल प्रेम*
4.12.1	हीन बर्ताव
4.12.2	धोखा
4.12.3	रिश्तों में दरार
4.13	*बेरोजगारी*
4.13.1	अपमान

4.14 रूढ़ियों का समर्थन
4.14.1 अनुकरण
4.15 आत्महत्या
4.15.1 डर और पलायन
4.16 अविवाह
4.16.1 कुरूपता
4.16.2 पारिवारिक जिम्मेदारी
4.17 परित्यक्ता
4.17.1 धोखे का शिकार
4.17.2 कुरूपता
4.17.3 विवाह पूर्व प्रेम
4.18 विधवा
4.18.1 जायदाद
4.18.2 अस्तित्व
4.18.3 धन
4.18.4 अत्याचार का शिकार
4.18.5 विवशता
✷ निष्कर्ष

✷ समग्र मूल्यांकन (148-157)

✷ उपलब्धियां (158-160)

✷ परिशिष्ट (161-162)

✷ संदर्भ ग्रंथ सूची (163-165)

आधार ग्रंथ
समीक्षा ग्रंथ
पत्र–पत्रिकाएं